कक्षा - 11

इतिहास

विश्व इतिहास के कुछ विषय

अनुभाग-2 : साम्राज्य

विषय-2: तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

भाग-4

दास-श्रम और सामाजिक श्रेणियाँ

निर्मल सिंह



विवरण (Overview)

1. रोमन साम्राज्य का गठन और शहरीकरण
2. रोमन साम्राज्य का समाज और संस्कृति
3. रोमन साम्राज्य का आर्थिक विस्तार
4. दास-श्रम और सामाजिक श्रेणियाँ
5. परवर्ती पुराकाल



श्रमिकों पर नियंत्रण

- भूमध्य सागर और निकटवर्ती पूर्व (पश्चिमी एशिया) में दासता की जड़े गहरी थी।
- ऑगस्टस के काल में इटली की कुल 75 लाख की आबादी में 30 लाख दास थे।
- दासों को पूँजी–निवेश की दृष्टि से देखा जाता था।



- उच्च वर्ग : दासों के प्रति क्रूरतापूर्ण व्यवहार।
- साधारण लोग : दासों के प्रति सहानुभूति।
- दासों की आपूर्ति में कमी आने पर दास प्रजनन अथवा वेतनभोगी मजदूरों का सहारा लेना पड़ा।
- दास प्रजनन : गुलामों की संख्या बढ़ाने की एक ऐसी प्रथा जिसके अंतर्गत दासियों और उनके साथ मर्दों को अधिकाधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था।



- दास-श्रम का बहुतायत प्रयोग बहुत महँगा था।
- इसलिए रोम में सरकारी निर्माण - कार्यों पर मुक्त श्रमिकों का व्यापक प्रयोग।
- दासों और मुक्त व्यक्तियों को व्यापार-प्रबंधकों के रूप में नियुक्त।
- रोमन कृषि-विषयक लेखकों ने श्रम-प्रबंधन की ओर बहुत ध्यान दिया।



- कोलूमेल्ला ने दुगुनी संख्या में उपकरणों तथा औजारों को रखने की सिफ़ारिश की।
- कोलूमेल्ला ने दस-दस श्रमिकों के समूह बनाने की सिफ़ारिश की।
- प्लिनी (प्रकृति विज्ञानी) ने दस समूहों के प्रयोग की निंदा की।



- प्लिनी ने सिकंदरिया की फ्रैंकिन्सेंस यानी सुगंधित राल की फैक्ट्रियों के हालात का वर्णन किया।

फ्रैंकिन्सेंस : इसका प्रयोग धूप-अगरबत्ती और इत्र बनाने में किया जाता था।

इसे बोसेवेलिया के पेड़ से प्राप्त किया जाता था।



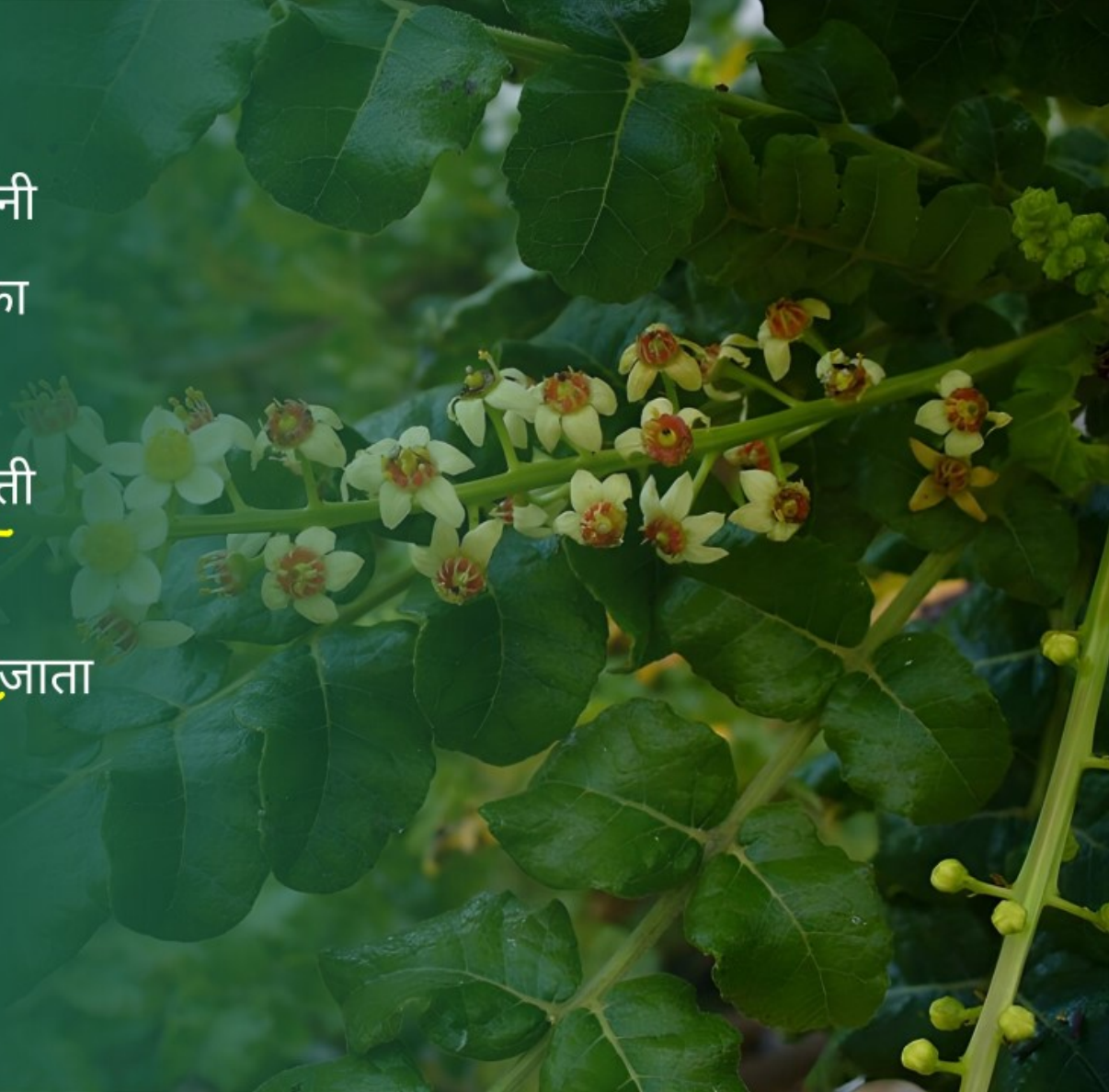

- 398 के एक कानून में यह कहा गया कि कामगारों को दागा जाता है।
- कई निजी मालिक कामगारों के साथ ऋण-संविदा के रूप में करार कर लेते थे।
- ऑगस्टीन के एक पत्र में 25 वर्ष के लिए बच्चे को बेचकर बंधुआ मजदूर बनाने का जिक्र ।
- ग्रामीण ऋण-ग्रस्तता और भी अधिक व्यापक थी।

- 66 ईस्वी के जबरदस्त यहूदी विद्रोह में क्रांतिकारियों ने साहूकारों के ऋणपत्र (बांड) नष्ट कर डाले।
- यहूदी विद्रोह : यह विद्रोह जूडेया में रोम शासन के विरूद्ध हुआ था।
- सम्राट ऐनस्टैसियस ने श्रमिकों को आकर्षित करके दारा शहर का निर्माण किया था।



सामाजिक श्रेणियाँ

टैसिटस का प्रारंभिक साम्राज्य के प्रमुख सामाजिक समूहों का वर्णन –

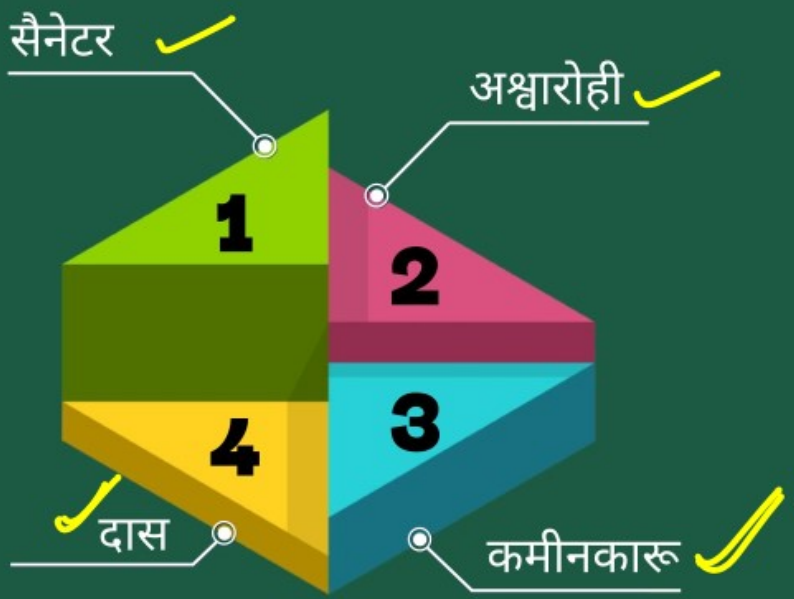

- सैनेटर (पैट्रेस, शाब्दिक अर्थः पिता)।
- अश्वारोही वर्ग के प्रमुख सदस्यः जनता का सम्माननीय वर्ग, जिनका संबंध महान घरानों से था।
- फूहड़ निम्नतर वर्ग यानी कमीनकारू (प्लेब्स सोर्डिडा), जो उनके अनुसार, सर्कस और थिएटर तमाशे देखने के आदी थे ।
- अंत में दास।

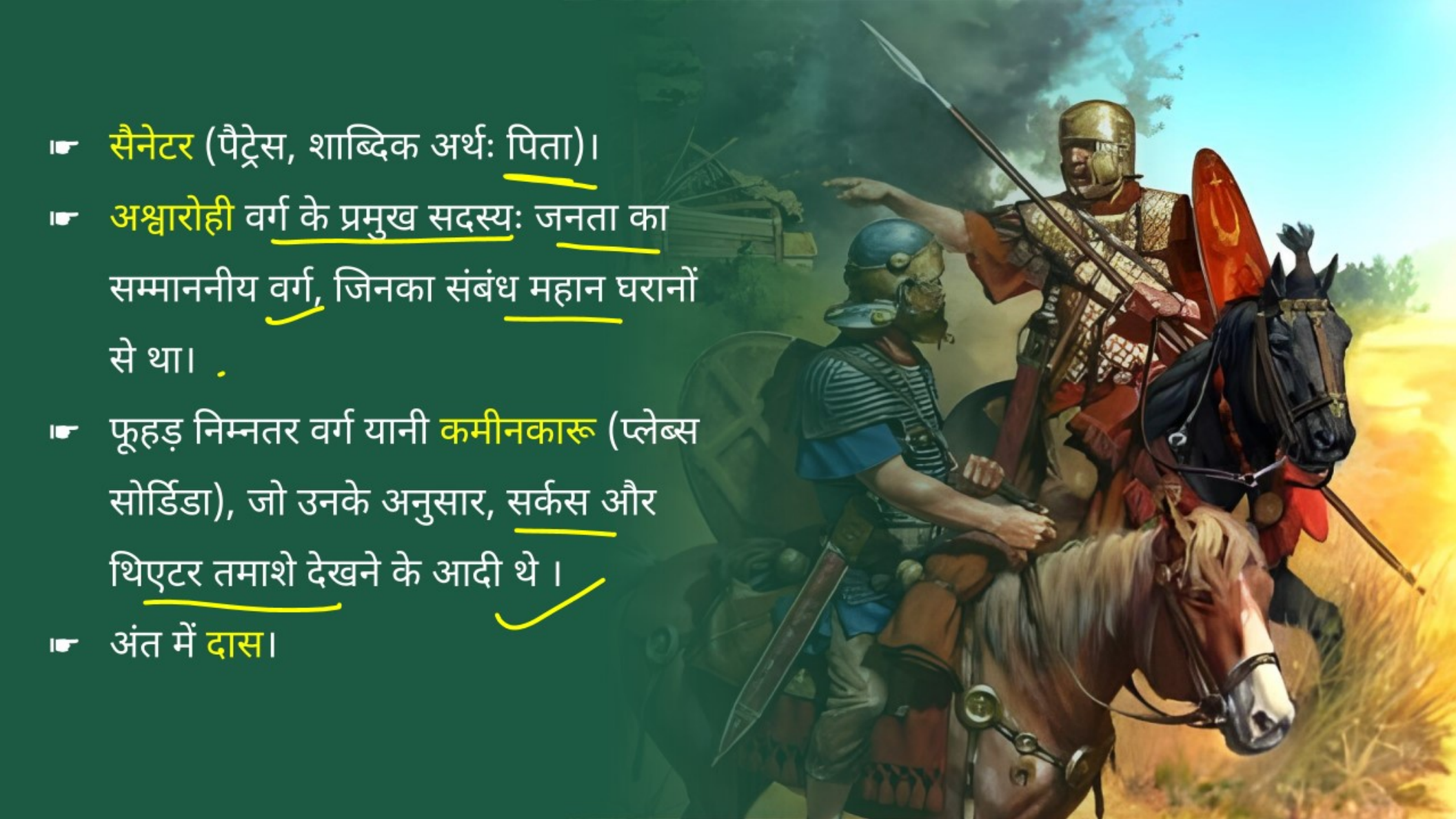

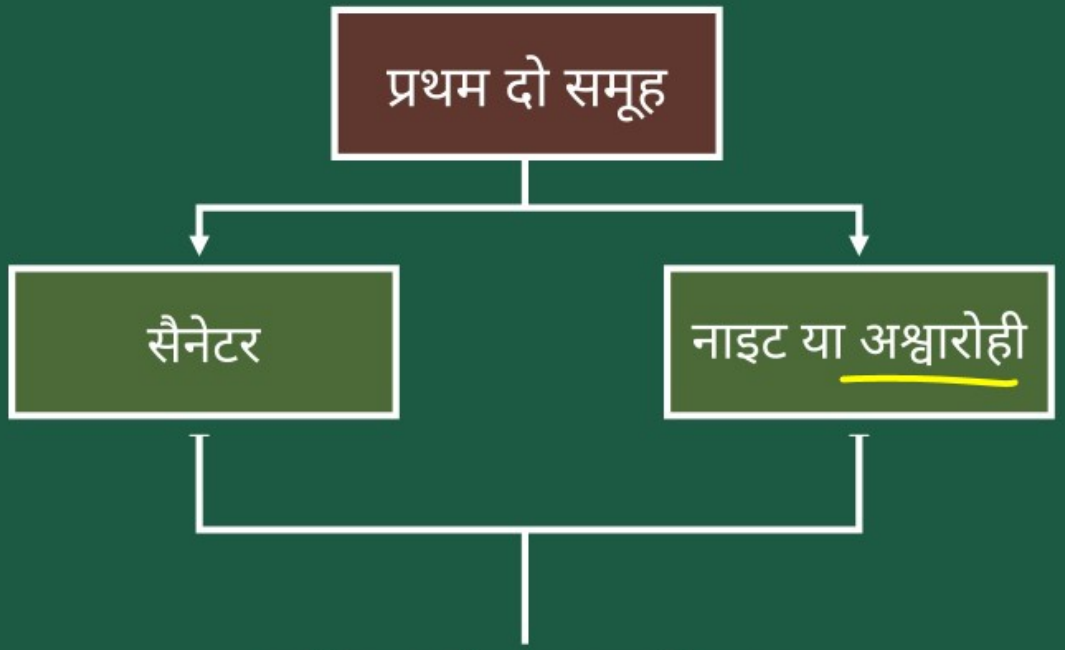
प्रथम दो समूह
सैनेटर
नाइट या अश्वारोही
एकीकृत होकर एक विस्तृत
अभिजात वर्ग बने

अश्वारोही

- अश्वारोही (इक्वाइट्स) या नाइट वर्ग परंपरागत रूप से दूसरा सबसे अधिक शक्तिशाली और धनवान समूह था।
- मूल रूप से वे ऐसे परिवार थे जिनकी संपत्ति उन्हें घुड़सेना में भर्ती होने की औपचारिक योग्यता प्रदान करती थी; इसीलिए इन्हें इक्वाइट्स कहा जाता था।



- मध्यम वर्ग में नौकरशाही और सेना से संबंधित लोग शामिल। किन्तु इसमें अपेक्षाकृत अधिक समृद्ध सौदागर और किसान भी शामिल थे।



- निम्नतर वर्गों का एक विशाल समूह, जिन्हें सामूहिक रूप से ह्यूमिलिओरिस यानी "निम्नतर वर्ग" कहा जाता था।
- इतिहासकार ओलिंपिओडोरस के अनुसार रोम नगर में रहने वाले कुलीन परिवारों की वार्षिक आय 4000 पाउंड सोने के बराबर होती थी।

- रोम साम्राज्य के परवर्ती काल में, वहाँ की नौकरशाही के उच्च तथा मध्य वर्ग अपेक्षाकृत बहुत धनी थे क्योंकि उन्हें अपना वेतन सोने के रूप में मिलता था।
- रोम में द्वितीय श्रेणी के परिवारों की आय 1000 अथवा 1500 पाउंड सोना थी।

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

1. रोमन समाज में दासों का महत्त्व
2. प्रमुख सामाजिक समूह



मूल्यांकन (Assessment)

1 रोम में द्वितीय श्रेणी के परिवारों की आय कितनी थी?

- अ 1000 से 1200 तक
- ब 1200 से 1500 तक
- स 1000 से 1500 तक
- द 1000 से 2000 तक



मूल्यांकन (Assessment)

2 दस-दस श्रमिकों के समूह बनाने की सिफ़ारिश किसने की।

अ प्लिनी

ब स्ट्रेबो

स जस्टिन

द कोलूमेल्ला



मूल्यांकन (Assessment)

3 धूप-अगरबत्ती और इत्र बनाने में किसका प्रयोग किया जाता था?

अ फ्रैंकिन्सेस

ब पैपाइरस

स एम्फ़ोरा

द ड्रेसल-20



मूल्यांकन (Assessment)

4 उच्च वर्ग दासों के प्रति क्रूरतापूर्ण व्यवहार करते थे जबकि साधारण लोग दासों से सहानुभूति रखते थे।

अ सत्य

ब असत्य



मूल्यांकन (Assessment)

5 ..... वर्ग जनता का सम्माननीय वर्ग था जिनका संबंध महान घरानों से था।

अश्वारोही

